PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
01
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, मंगलवार, 28 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

आंदोलनकारियों के तेवर: इस्तीफा पहली शर्त, इसके बिना वार्ता बेमानी... पक्के राजनेता जैसी थीं जेन-जी की बातें

नीट पेपर लीक के बाद जंतर मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन और सोनम वांगचुक का अनशन लगातार चर्चा में है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है। अब सरकार की बैठक का हिस्सा रहे एक वार्ताकार ने बताया है कि आंदोलनकारियों के तेवर और केंद्रीय मंत्रियों के साथ बातचीत के समय सीजेपी के प्रतिनिधियों की भाव-भंगिमा कैसी थी? वे (सौरव दास व आशुतोष रांका) टफ नेगोशिएटर थे जो बातचीत के दौरान एकदम घुटे हुए राजनेता की तरह मोलभाव कर रहे थे। आत्मविश्वास से लबरेज दोनों प्रतिनिधियों ने दूसरी बातचीत में यह कहकर सरकार के लिए गुंजाइश खत्म कर दी थी कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पहली और सबसे अहम शर्त है। इसके बिना बातचीत ही बेमानी है। इस दौरान दोनों प्रतिनिधि अपनी मांग से रत्ती भर भी नहीं भटके। ये टिप्पणी इस वार्ता में शामिल एक केंद्रीय मंत्री की है। सरकार को 24 जुलाई की वार्ता में अपने पक्ष में कुछ सकारात्मक होने की उम्मीद थी क्योंकि 20 जुलाई की पहली मुलाकात के बाद सरकार ने कई स्तर पर कार्रवाई के साथ सोनम वांगचुक तक अपनी पहुंच बना ली थी।

सकारात्मक रुख भी अपनाया

बातचीत के दौरान आंतरिक सुरक्षा और बातचीत के लिए कमेटी गठन मामले में प्रतिनिधियों ने बेहद सकारात्मक रुख अपनाया। जब उन्हें आंदोलन में असामाजिक तत्वों की घुसपैठ की जानकारी दी गई तो दोनों ने ऐसे तत्वों के खिलाफ न सिर्फ कार्रवाई का समर्थन किया, बल्कि यह भी कहा कि सीजेपी इसके आड़े नहीं आएगी। इसके अलावा युवाओं ने बातचीत के लिए सरकार और सीजेपी की कमेटी गठित करने की मांग पर समझाने के बाद जोर नहीं दिया।

पहले तृणमूल कांग्रेस के साथ रहे एनसीपीआई सांसद काकोली घोष, शताब्दी रॉय और सायोनी घोष भी इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। एनडीए नेताओं की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब केंद्र सरकार नकल विरोधी विधेयक को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। वहीं विपक्ष जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित 'पुलिस की ज्यादती' के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। यह विधेयक सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया था। इस दौरान विपक्ष लगातार जोरदार नारेबाजी कर रहा था। इस विधेयक के जरिये सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन किया जाएगा।

'मंगल मिलन' बैठक का मकसद क्या है?

'मंगल मिलन' बैठक वास्तव में एनडीए संसदीय दल की साप्ताहिक रणनीति बैठक का बदला हुआ नाम है। इसका मकसद रचनात्मक चर्चा को बढ़ावा देना और गठबंधन के सहयोगियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना है। संसद सत्र के दौरान रोजाना सदन की रणनीति तैयार करने और अलग-अलग दलों के बीच सहमति बनाने के अलावा, 'मंगल मिलन' बैठक एनडीए के सहयोगी दलों के साथ समन्वय बढ़ाने का माध्यम भी है।

CJP का दावा: प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस होंगे वापस; बिहार, असम के बाद राजस्थान में क्या है केंद्र की गारंटी?

नीट-यूजी आंदोलन के बाद प्रदर्शनकारियों को राहत मिलने का दावा किया गया है। CJP के मुताबिक सरकार ने बिहार, असम और राजस्थान में कार्रवाई नहीं करने, एफआईआर वापस लेने और गिरफ्तार लोगों की रिहाई का आश्वासन दिया है। प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने बड़ा दावा किया है। संगठन के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि सरकार ने एक बार फिर आश्वासन दिया है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिहार और असम के बाद राजस्थान में भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने की गारंटी दी गई है।

क्या बिहार, असम और राजस्थान में कार्रवाई नहीं होगी?

सौरव दास ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार और असम की अधिसूचनाओं के बाद उन्हें यह भरोसा भी दिया गया है कि राजस्थान में भी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आगे की कार्रवाई से रोकने का आश्वासन मिला है।

क्या दिल्ली पुलिस से हुई देर रात बैठक में मिला भरोसा?

मंगलवार तड़के करीब दो बजे सौरव दास ने CJP की कानूनी समन्वयक रत्ना सिंह के साथ एक वीडियो साझा किया। उन्होंने बताया कि उनकी दिल्ली पुलिस के प्रतिनिधियों से बैठक हुई, जो बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे थे। दास ने कहा कि उन्होंने सरकार से किए गए वादों के पूरा न होने की आशंका जताई, जिसके बाद उन्हें दोबारा भरोसा दिलाया गया।

क्या बिहार सरकार की अधिसूचना भी सौंपी गई?

सौरव दास के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने उन्हें बिहार सरकार की वह अधिसूचना भी उपलब्ध कराई, जिसमें 26 जुलाई से पहले प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से भी इसी तरह की अधिसूचनाएं जारी होने की उम्मीद जताई गई है।

क्या कानूनी सहायता के लिए नई वेबसाइट शुरू होगी?

सौरव दास ने बताया कि CJP एक ऐसी वेबसाइट शुरू करने जा रही है, जहां विभिन्न जिलों के वकील अपना नाम, स्थान और उपलब्ध कानूनी सहायता का विवरण दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इस पहल के लिए एक करोड़ रुपये की कानूनी सहायता की घोषणा की है और देशभर के वकीलों से इसमें सहयोग करने की अपील की है।

क्या दोबारा आंदोलन की चेतावनी दी गई?

सीजेपी ने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गईं, गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया और भविष्य में नए मामले दर्ज किए गए, तो संगठन फिर से आंदोलन करने को मजबूर होगा। इससे पहले संगठन के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी इसी तरह की चेतावनी दे चुके हैं।

गौरतलब है कि अभिजीत दिपके और सीजेपी के अन्य सदस्यों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा कुछ मांगें मानने के बाद 37 दिन से चल रहे आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा की थी। यह आंदोलन NEET-UG पेपर लीक और परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं को लेकर चलाया गया था।

क्या CJP ने प्रदर्शनकारियों से धैर्य रखने की अपील की?

सीजेपी ने पुलिस कार्रवाई का सामना कर रहे प्रदर्शनकारियों से संयम बनाए रखने की अपील की। सौरव दास ने कहा कि संगठन उनके साथ है और जरूरत पड़ने पर उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

Aligarh: रंग हरियाणा-यूपी रोडवेज बस का, कमाई डग्गामार वाहन की, यात्रियों को गुमराह करने वाली सात बसें सीज

अलीगढ़ में फर्जी रोडवेज बस संचालन का मामला नया नहीं है। इससे पहले भी कासगंज, अतरौली, मथुरा और टप्पल मार्ग पर यूपी रोडवेज के रंग में रंगी बसें पकड़ी जा चुकी हैं। वर्ष 2024 और 2021 में भी इस तरह की फर्जी बसों पर कार्रवाई हुई थी।

अलीगढ़ जिले में फर्जी रोडवेज बस संचालित करने वाला गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। अलीगढ़-खैर-टप्पल मार्ग पर डग्गामारी कर रहीं सात बसों को सोमवार को परिवहन विभाग की टीम ने जब्त कर लिया। इनमें पांच बसें हरियाणा रोडवेज के रंग में रंगी हुई थीं, जबकि दो बसें यूपी रोडवेज के रंग में संचालित की जा रही थीं। परिवहन विभाग की टीम ने सभी बसों को जब्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा करा दिया है। कार्रवाई का नेतृत्व एआरटीओ रोड सेफ्टी सान्या ने किया। आरटीओ प्रवर्तन दिनेश कुमार ने बताया कि अवैध रूप से संचालित इन बसों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विभाग की इस अचानक कार्रवाई से डग्गामार बस संचालकों में खलबली मच गई। अधिकारियों के अनुसार, अलीगढ़-खैर-टप्पल मार्ग पर लंबे समय से अवैध बसों के संचालन की शिकायतें मिल रही थीं। जांच में सामने आया कि कई बसें बिना परमिट और फिटनेस प्रमाण पत्र के यात्रियों को ढो रही थीं। कुछ बसों को सरकारी बसों की तरह रंगकर चलाया जा रहा था, जिससे यात्रियों को भ्रमित किया जा रहा था। परिवहन विभाग का कहना है कि डग्गामार बसें अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करती हैं। इनमें ओवरलोडिंग, तेज गति और बिना फिटनेस के संचालन से हादसों का खतरा बना रहता है।

Gujarat: समंदर के रास्ते 330Kg हेरोइन की तस्करी पड़ी भारी? NIA कोर्ट ने छह PAK नागरिकों को सुनाई आठ साल की सजा

गुजरात के जखाऊ तट पर वर्ष 2019 में पकड़ी गई 330 किलो ब्राउन हेरोइन तस्करी मामले में विशेष एनआईए अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने छह पाकिस्तानी नागरिकों को आठ-आठ साल के कठोर कारावास की सजा दी। गुजरात के जखाऊ तट पर वर्ष 2019 में पकड़ी गई 330 किलो ब्राउन हेरोइन तस्करी मामले में विशेष एनआईए अदालत ने छह पाकिस्तानी नागरिकों को आठ-आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वहीं, कथित रूप से खेप लेने वाले भारतीय आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश हेमांग रावल ने छह पाकिस्तानी नागरिकों को आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उन्हें पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 के तहत पांच वर्ष की सजा भी दी गई, जो साथ-साथ चलेगी। विदेशी अधिनियम के तहत प्रत्येक दोषी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। हालांकि, अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम की धाराओं में पर्याप्त साक्ष्य न होने के कारण उन्हें बरी कर दिया।

भारतीय आरोपी को क्यों मिली राहत?

अदालत ने उस भारतीय व्यक्ति को भी संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया, जिस पर समुद्र के बीच मादक पदार्थों की खेप लेने का आरोप था। जांच एजेंसी का दावा था कि वह भारतीय नाव के जरिए खेप प्राप्त करने वाला था।

NIA ने क्या आरोप लगाए थे?

गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देखते हुए 22 मई 2020 को जांच एनआईए को सौंप दी थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कहा कि सात आरोपियों ने नौ अन्य वांछित आरोपियों के साथ मिलकर भारत में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी की साजिश रची थी। आरोपपत्र के अनुसार, कराची से गुजरात तक खेप पहुंचाने के लिए पाकिस्तानी नाव 'अल-मदीना' का इस्तेमाल किया गया था।

2019 में कैसे पकड़ी गई थी हेरोइन की खेप?

एनआईए के अनुसार, 20 मई 2019 को राजस्व खुफिया निदेशालय को सूचना मिली थी कि पाकिस्तान की एक मछली पकड़ने वाली नाव गुजरात के जखाऊ तट के पास भारतीय समुद्री सीमा में मादक पदार्थों की खेप पहुंचाने वाली है।

21 मई को भारतीय तटरक्षक बल के जहाज 'अरिंजय' ने पाकिस्तान के झंडे वाली नाव को घेर लिया। इस दौरान नाव पर मौजूद लोगों ने संदिग्ध बैग समुद्र में फेंक दिए। बाद में भारतीय तटरक्षक बल ने 194 पैकेट बरामद किए। इसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने अलग-अलग समय पर 17 और पैकेट भी बरामद किए।

जांच में क्या सामने आया?

जांच के दौरान पाकिस्तान की नाव 'अल-मदीना' और भारतीय नाव 'फेजाने किरमानी' को पकड़ा गया। पूछताछ में पाकिस्तानी नाव के कप्तान सफदर अली ने मादक पदार्थों की खेप भारतीय व्यक्ति तक पहुंचाने की जानकारी होने की बात स्वीकार की। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, भुज की जांच में बरामद पदार्थ को ब्राउन हेरोइन बताया गया। जांच में सामने आया कि छह पाकिस्तानी नागरिक 11 पॉलीप्रोपाइलीन बैग में पैक 330 पैकेट मादक पदार्थ लेकर भारत पहुंचे थे।

Delhi Protest: जंतर-मंतर पर दंगारोधी हथियारों के इस्तेमाल का दावा, DCP के आदेश पर RAF ने दागे 70 से ज्यादा शैल

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान RAF की कार्रवाई को लेकर नया खुलासा सामने आया है। एक दस्तावेज में 55 नॉन-इलेक्ट्रिक शैल, 15 इलेक्ट्रिक शैल, प्लास्टिक पैलेट और अन्य दंगारोधी उपकरणों के इस्तेमाल का उल्लेख किया गया है, जिसकी अब जांच चल रही है। जंतर मंतर पर बीस जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन में उग्र हुई भीड़ पर क़ाबू पाने के लिए सीआरपीएफ की आरएएफ ने 55 नॉन इलेक्ट्रिक शैल, प्लास्टिक पैलेट के अलावा 15 शैल इलेक्ट्रिक शैल दागे थे। इसके अलावा पांच टीयर स्मोक ग्रेनाइट, एआरजी 2 बीसी और प्लास्टिक पैलेट का इस्तेमाल भी किया गया था। दिल्ली पुलिस के एक दस्तावेज में कहा गया है कि नार्थ डीसीपी राजा भाटिया के आदेश पर यह कार्रवाई की गई थी। सूत्रों के मुताबिक, जंतर मंतर पर हुई हिंसक झड़प में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा की गई कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है। पैलेट गन का इस्तेमाल करने को लेकर विपक्ष, सरकार पर हमलावर है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पैलेट गन को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने एक प्रदर्शनकारी को मीडिया के सामने पेश किया, जिसे पैलेट गन के छर्रे लगे हुए थे। दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया है। पैलेट गन का इस्तेमाल सीआरपीएफ की दंगारोधी इकाई आरएएफ द्वारा किया गया था। अंतरराष्ट्रीय समझौतों में ये हथियार प्रतिबंधित है। 1992 में आरएएफ की स्थापना के बाद इस्राइल और बेल्जियम से पैलेट गन खरीदी गई थी। उसके बाद डीआरडीओ के निर्देशन में यह गन तैयार की जा रही है। आरएएफ द्वारा किन परिस्थितियों में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन चलाई गई है, जांच में यह पता लगाया जा रहा है। सीआरपीएफ द्वारा यह जाँच की जा रही है। वीडियो फुटेज जांची जा रही हैं। मौके पर रहे आरएएफ के टीम इंचार्ज और सहयोगी कर्मियों से पूछताछ होगी। यह भी देखा जाएगा कि पैलेट गन चलाते वक्त भीड़ कितनी थी और क्या उसे तितर-बितर करने के बाकी सभी विकल्प खत्म हो गए थे।

सूत्रों ने बताया कि बीस जुलाई को जब भीड़ काबू में नहीं आ रही थी, तब आरएएफ ने दंगारोधी उपकरणों का इस्तेमाल किया था।इसके बाद दिल्ली पुलिस के एक दस्तावेज में यह लिखा गया था कि घटना के समय आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट सतीश सांगवान ड्यूटी पर थे। वे बी-208 की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने डीओ रूम में आकर बताया कि वे जोन वन में नार्थ डीसीपी राजा भाटिया के साथ ड्यूटी पर थे। उनके आदेशानुसार भीड़ को तितर बितर करने के लिए दंगारोधी उपायों का इस्तेमाल किया गया था। दूसरे उपकरणों के साथ-साथ एंटी-रायट गन (एआरजी) का भी इस्तेमाल किया गया था। यह गन कम जानलेवा हथियारों की श्रेणी में आती है। इसे ध्यान पूर्वक चलाया जाए तो यह जानलेवा नहीं होती। जांच रिपोर्ट से यह भी पता चलेगा कि क्या पैलेट गन चलाते समय तय नियमों का पालन किया गया था या नहीं।

Aligarh News: अवैध कॉलोनियों पर चला एडीए का बुलडोजर, महिलाओं ने किया हंगामा

एडीए उपाध्यक्ष कुलदीप मीणा ने कहा कि बिना मानचित्र स्वीकृति के कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ एडीए ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। धनीपुर और याकूतपुर क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए बसाई जा रहीं दो कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया गया। याकूतपुर में कार्रवाई के दौरान महिलाओं ने जमकर विरोध किया। उन्होंने जेसीबी (बुलडोजर) की चाबी निकाल ली। करीब 20 मिनट तक कार्रवाई रुकी रही। बाद में पुलिस-प्रशासन के हस्तक्षेप से विरोध शांत हुआ। सोमवार सुबह एडीए की प्रवर्तन टीम धनीपुर क्षेत्र के असदपुर कायम स्थित टक्कर वाली पुलिया के पास पहुंची। यहां गाटा संख्या-37 पर करीब एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। एडीए के अनुसार राजवीर सिंह, सोमवीर सिंह और उनके साथियों द्वारा विकसित की जा रही कॉलोनी में बिना अनुमति निर्माण कराया जा रहा था। टीम ने जेसीबी से निर्माणाधीन दीवारों को गिरा दिया। प्लॉटों की नींव भी उखाड़ दी गई। भविष्य में दोबारा निर्माण न हो सके, इसके लिए अंदरूनी रास्तों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। इसके बाद एडीए की टीम याकूतपुर पहुंची। यहां खसरा संख्या-439 पर गजेंद्र सिंह और श्याम सिंह द्वारा विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई शुरू हुई। जैसे ही जेसीबी ने निर्माण गिराना शुरू किया, बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और महिलाएं मौके पर पहुंच गईं। महिलाओं ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने मेहनत की कमाई से प्लॉट खरीदे थे। अचानक हुई कार्रवाई से उनका आशियाने का सपना टूट रहा है। विरोध के दौरान कुछ महिलाओं ने जेसीबी के सामने खड़े होकर रास्ता रोक दिया और उसकी चाबी निकाल ली। इससे करीब 20 मिनट तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बाधित रही। मौके पर मौजूद पुलिस बल और एडीए अधिकारियों ने लोगों को समझाया। अधिकारियों ने कहा कि बिना प्राधिकरण की अनुमति के विकसित की जा रही कॉलोनियां नियमों के खिलाफ हैं। समझाने के बाद विरोध समाप्त हुआ और पुलिस सुरक्षा में दोबारा कार्रवाई शुरू की गई। टीम ने यहां भी अवैध निर्माण, नींव और सड़कों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, अशोक शर्मा, श्यामवीर सिंह समेत एडीए की प्रवर्तन टीम और भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

सपा सांसद पर दूसरी एफआईआर

गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी पर एक और एफआईआर दर्ज की गई है। सपा सांसद पर शस्त्रों के दुरुपयोग और पत्रावली गायब के आरोप है। अफजाल सहित दो पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आईएस-191 गिरोह के सक्रिय सदस्यों, सहयोगियों व गिरोह के सरगना मुख्तार अंसारी के रिश्तेदारों और परिजनों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है।गाजीपुर में शस्त्रों के दुरुपयोग व मूल पत्रावली व क्रय-विक्रय पत्रावली को गायब कराने के आरोप में छह दिन में दूसरी बार पुलिस ने सोमवार को सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। साथ ही तत्कालीन शस्त्र लिपिक प्रेमाशंकर वर्मा के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।एसपी सिटी डॉ. राकेश मिश्रा ने बताया कि आईएस-191 मुख्तार अंसारी गिरोह के सदस्यों, सहयोगियों और मुख्तार के परिजनों के शस्त्र लाइसेंसों के सापेक्ष निर्गत शस्त्रों के दुरुपयोग के संबंध में कार्रवाई की जा रही है। जांच में पता चला कि अफजाल अंसारी के शस्त्र लाइसेंस 1241/पी 11 संबंधित शस्त्र लाइसेंस पत्रावली व क्रय विक्रय संबंधी पत्रावली गायब करा दी गई है।इसके लिए अफजाल अंसारी ने संबंधित शस्त्र लिपिकों के साथ मिलीभगत व षड्यंत्र किया। साथ ही उक्त लाइसेंस पर दशकों पहले अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले अलोंग कस्बे में एनपीबी राइफल संख्या 86 एबी 1926 और 32 बोर रिवॉल्वर नंबर

सपा सांसद पर दूसरी एफआईआर: शस्त्रों का दुरुपयोग और पत्रावली गायब, मुख्तार के रिश्तेदारों और परिवार पर शिकंजा

ए-12741 का क्रय विक्रय मिला। इसकी पत्रावली व उक्त शस्त्रों की वर्तमान स्थिति का पता नहीं होने से भौतिक सत्यापन नहीं हो पा रहा हैजिले के आईएस-191 गिरोह के सक्रिय सदस्यों, सहयोगियों व गिरोह के सरगना मुख्तार अंसारी के रिश्तेदारों और परिजनों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। वहीं जांच में सामने आया है कि मुख्तार अंसारी गिरोह के सहयोगियों, सक्रिय सदस्यों और मुख्तार के परिजनों व रिश्तेदारों ने 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 शस्त्रों का क्रय-विक्रय किया।जिले के आईएस-191 गिरोह के सक्रिय सदस्यों, सहयोगियों व गिरोह के सरगना मुख्तार अंसारी के रिश्तेदारों और परिजनों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। वहीं जांच में सामने आया है कि मुख्तार अंसारी गिरोह के सहयोगियों, सक्रिय सदस्यों और मुख्तार के परिजनों व रिश्तेदारों ने 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 शस्त्रों का क्रय-विक्रय किया। वहीं, शस्त्र लाइसेंसों पर क्रय-विक्रय की गई शस्त्रों की पत्रावली गायब करने के आरोप में पुलिस ने 22 जुलाई से अब तक छह दिन में सपा सांसद अफजाल अंसारी और मुख्तार अंसारी

यूपी में एक और पति का कत्ल: बीवी ने दबाया मुंह,

प्रेमी ने कसा गला; वंदना ने सुबह उठकर सबसे पहले किया था ये काम

जौनपुर में हुए संदीप हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पत्नी ने पति का मुंह दबाया था, जबकि प्रेमी ने सीने पर चढ़कर गमछे से गला कसा था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी को पति की हत्या का जरा भी पछतावा नहीं है।जौनपुर के बदलापुर कस्बे के वार्ड नंबर आठ में शुक्रवार की रात हुई पल्लेदार संदीप उर्फ चंद्रीप (27) की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। संदपी की हत्या पत्नी वंदना और उसके प्रेमी राजेश ने मिलकर की थी। वंदना ने पति का मुंह दबा दिया, जबकि राजेश ने सीने पर चढ़कर नीले रंग के गमछे से उसका गला कस दिया था।राजेश रिश्ते में वंदना का ममेरा भाई लगता है। पुलिस के मुताबिक दोनों ने भलुआही बाजार में हत्या की साजिश रची थी। थानाध्यक्ष बदलापुर फूलचंद्र पांडेय के मुताबिक आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।थानाध्यक्ष के मुताबिक, आरोपियों ने बताया कि वह एक-दूसरे से चार साल से संपर्क में हैं। वंदना की शादी के बाद गजाधरपुर निवासी अविवाहित राजेश भलुआही में किराये के मकान में रहने लगा, जो उसके घर से करीब 500 मीटर दूर है।दोनों एक-दूसरे से मिलते-जुलते रहते थे। वंदना की दो संतानों में से एक से राजेश बहुत लगाव रखता था। जानकारी होने पर संदीप ने नाराजगी जताई थी। इस कारण आठ-दस दिन से राजेश, वंदना से मिलने घर नहीं आता था।

पति की मौत का नहीं है पछतावा

पुलिस की पूछताछ के दौरान वंदना को अपने किए का पछतावा नहीं था। दोनों आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य मिलने के बाद चालान कर न्यायालय भेज दिया गया। वहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। दोनों मासूम बच्चों को परिवार के सुपुर्द कर दिया गया।

दो मासूमों से छिना पिता का साया

इस घटना ने दो मासूम बच्चों के सिर से मां का प्यार और पिता का साया भी छीन लिया। जिस घर में हंसी खुशी का माहौल होना चाहिए था, वहां अब मातम पसरा है।पिता की मौत और मां के जेल जाने के बाद दोनों मासूमों का भविष्य अनिश्चित हो गया है। संदीप परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा था। पल्लेदारी कर वह घर का खर्च चलाता था और अपने बुजुर्ग पिता लालजी, पत्नी व दोनों बच्चों की जिम्मेदारी निभाता था। मां और बड़े भाई की पहले ही मौत हो चुकी थी।दो छोटे भाई अपने परिवार के साथ मुंबई में काम करते हैं। पिता लालजी को जिस बेटे के सहारे बुढ़ापा कटने की उम्मीद थी, उसी की अर्थी उठानी पड़ी। बच्चों की और परिवार की जिम्मेदारी बुजुर्ग पिता के कंधों पर आ गई है।

वंदना ने की थी साक्ष्य मिटाने की कोशिश

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद राजेश अपने घर जाकर सो गया। जबकि वंदना ने साक्ष्य मिटाने के लिए गोबर से घर की लिपाई की। सुबह वंदना ने अपने बुजुर्ग ससुर से कहा कि संदीप को जगा दें, ताकि मौके पर ससुर के पैर के निशान पड़ जाएं। ससुर ने पहले घटना का स्वाभाविक मौत मान लिया था और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे, किंतु किसी महिला की नजर संदीप के गले पर पड़ी तो ससुर को शक हुआ। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि वंदना और राजेश के बीच प्रेम संबंध का संदीप विरोध करता था।

बैरिकेडिंग अब लगी जब चली गई जिंदगी:

आंखों के सामने दोस्त डूब गया, अव्यान के लिए मदद लेकर आया था लवकुश

कलाधाम सोसाइटी में शनिवार शाम हुए हादसे के वक्त अव्यान (6) दोस्त लवकुश (5) के साथ खेल रहा था। पैर फिसलने के बाद गड्ढे में डूबते दोस्त को देख वह लोगों से मदद मांगने भागा। मदद के साथ वापस घटनास्थल पर पहुंचा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।ग्रेटर नोएडा की कलाधाम सोसाइटी में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से छह वर्षीय मासूम की मौत के बाद रविवार को पूरे इलाके का माहौल गमगीन रहा। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने रविवार को शव परिजनों को सौंप दिया। सुबह जैसे ही मासूम का शव सोसाइटी पहुंचा परिजनों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की आंखें भी नम हो गईं। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था कि अगर समय रहते सुरक्षा के इंतजाम कर दिए गए होते तो मासूम की जान बच सकती थी। लोगों ने कहा कि यह सिस्टम की लापरवाही से हुई मौत नहीं बल्कि हत्या है।पुलिस सुरक्षा के बीच परिजन शव को लेकर सफीपुर स्थित अंतिम निवास पहुंचे। जहां नम आंखों के साथ मासूम का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में रिश्तेदारों, सोसायटी के निवासियों और परिचित शामिल हुए। इस दौरान लोगों में घटना को लेकर गहरा आक्रोश भी देखने को मिला। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीसीपी रवि शंकर निम और एडीसीपी संतोष कुमार ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस बीच अंतिम निवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

यही व्यवस्था पहले कर देते तो नहीं जाती जान

जिस गड्ढे के कारण एक मासूम की जान चली गई उसी स्थान पर हादसे के बाद प्राधिकरण और पुलिस प्रशासन हरकत में दिखाई दिया। घटना स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है और बांस के साथ रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही व्यवस्था पहले कर दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

अंतिम यात्रा के दौरान पुलिस से नोकझोंक

शव को अंतिम निवास ले जाने के दौरान भी विवाद की स्थिति बन गई। परिजनों के अनुसार रास्ते में कुछ परिचितों के पीछे छूटजाने की सूचना मिली। इस पर शव वाहन को कुछ देर रोकने का आग्रह किया। आरोप है कि साथ चल रहे पुलिसकर्मी ने वाहन नहीं रुकवाया। इसी दौरान दूसरी गाड़ी से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने एक युवक को जबरन वाहन से नीचे उतार दिया। आरोप है कि धक्का देने से उसके हाथ में चोट भी लग गई। इसके बाद पुलिस शव वाहन को लेकर आगे रवाना हो गई। इस घटना से परिजनों और पुलिस के बीच कुछ देर तनाव का माहौल बना रहा।

आरडब्ल्यूए ने झाड़ा पल्ला, नहीं दी गई थी कोई सूचना

कलाधाम आरडब्ल्यूए के सचिव देवेंद्र शुक्ला ने कहा कि प्राधिकरण ने गड्ढा खोदने से पहले आरडब्ल्यूए को कोई सूचना नहीं दी थी। उन्होंने आरडब्ल्यूए के कहने पर गड्ढा खोदे जाने के आरोप को निराधार बताया। साथ ही कहा कि यदि किसी के पास इसका साक्ष्य है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। वहीं सोसाइटी निवासी रितिका ने बताया कि गड्ढा तीन दिन पहले से खोदा जा रहा था लेकिन न तो किसी को इसकी जानकारी दी गई और न ही चेतावनी बोर्ड लगाया गया। यदि निर्माण कार्य की सूचना और सुरक्षा घेरा बनाया गया होता तो लोग उस स्थान पर जाने से बच सकते थे। वहीं निवासियों का कहना है कि गड्ढे में भरा पानी नलकूप की बोरिंग के लिए लाया गया था।

आंखों के सामने दोस्त डूब गया, मदद मिली पर सांसों ने छोड़ दिया साथ

कलाधाम सोसाइटी में शनिवार शाम हुए हादसे के वक्त अव्यान (6) दोस्त लवकुश (5) के साथ खेल रहा था। पैर फिसलने के बाद गड्ढे में डूबते दोस्त को देख वह लोगों से मदद मांगने भागा। मदद के साथ वापस घटनास्थल पर पहुंचा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। किसी तरह स्थानीय लोगों ने अव्यान को बाहर निकाला। तब तक उसकी सांसें थम चुकी थी।सोसाइटी निवासियों ने बताया कि लवकुश का परिवार सोसाइटी में रहता है। हादसे के वक्त अव्यान कुछ उठाने के लिए गड्ढे के पास गया। फिसलकर वह गड्ढे में गिर गया। यह देखकर लवकुश ने मदद के लिए दौड़ लगाई। पास में सोसाइटी निवासी प्रांजल कार साफ कर रहे थे। लवकुश ने प्रांजल को अव्यान के पानी में गिरने की जानकारी दी। उसके बाद लवकुश मदद के लिए आगे दौड़ गया।

UP: यूपी में नकली दवाओं का बड़ा खेल,

रद्द लाइसेंस पर भी चल रहा करोड़ों का कारोबार; लखनऊ से गोरखपुर तक फैला जाल

यूपी में नकली दवाओं का बड़ा खेल चल रहा है। लाइसेंस रद्द होने पर भी करोड़ों का कारोबार चल रहा है। लखनऊ से गोरखपुर तक जाल फैला है।उत्तर प्रदेश में नकली दवा कारोबार से जुड़ा गिरोह फर्जी ट्रेडिंग के लिए उन दुकानदारों को निशाना बनाते हैं, जिनका लाइसेंस किसी कारण से रद्द हो जाता है। रद्द लाइसेंस वालों को दो से आठ फीसदी तक कमीशन दिया जाता है। यह खेल लखनऊ ही नहीं प्रयागराज, आगरा, गोरखपुर सहित अन्य शहरों में भी चल रहा है। एफएसडीए की टीम अब इन शहरों की जांच शुरू कर दी है।नकली दवा कारोबारी दवाओं की आपूर्ति के लिए न सिर्फ अपना कर्मचारी तैनात कर रहे हैं बल्कि बिलिंग में खेल के लिए लाइसेंस रद्द होने वाले और जिनकी बिक्री औसत कम है, उन्हें भी जाल में फंसाते हैं।

तीन से आठ फीसदी कमीशन मिलता था

लखनऊ में हुई जांच में यह खुलासा हुआ है। दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि शिव शक्ति मेडिकल स्टोर के संचालक कपिल जायसवाल का लाइसेंस पांच जनवरी को रद्द कर दिया गया। फिर भी उसके लाइसेंस नंबर पर अमीनाबाद के विद्या फार्मा के संचालक प्रियांशु व सुधांशु आपूर्ति देते रहे। इसके एवज में कपिल को तीन से आठ फीसदी कमीशन मिलता था। इसी तरह नकली दवा ले आने वाले हरमीत और साहिल को दो फीसदी कमीशन मिलता था। यह दवाएं लखनऊ से कानपुर और गोरखपुर के व्यापारियों के यहां भी भेजी गई हैं।

बाजार में बड़ी मात्रा में पहुंची हैं बीपी की दवाएं

ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने के लिए दी जाने वाली टेल्मा एएम बैच नंबर 18240682 और टेल्मा एच की बैच नंबर 18240905, बैच नंबर 18240905 और बैच नंबर 18240628 को फर्जी बिलिंग में दर्ज किया गया है। ऐसे में आशंका है कि यह बैच नंबर नकली दवाओं पर दर्ज नंबर है। ऐसे में बाजार में ब्लड प्रेशर की बड़ी मात्रा में नकली दवाएं पहुंच चुकी हैं।

मेरठ और बागपत में तैयार हो रही थी नकली दवा

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम को जानकारी मिली है कि उत्तराखंड से बड़ी मात्रा में नकली दवाएं यूपी में खपाई गई हैं। हिमाचल और उत्तराखंड से लाई गई नकली दवाओं की पैकिंग अलग-अलग शहरों में भी हो रही है। मेरठ के खरदौनी में छापेमारी के दौरान दवाओं की पैकेजिंग में प्रयोग होने वाली मशीन मिली है। उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित आरएस ग्लोबल फार्मा से सांठगांठ करके फैटी लिवर में प्रयोग होने वाली दवा इवियान 40 तैयार किया जा रहा था। यहां मिले सुराग के आधार पर बागपत के प्रेस्कॉट फार्मा जेल प्राइवेट लिमिटेड की जांच की गई को वहीं भी बिना पैकिंग वाली विटामिन ई मिली है। यहां से अवैध रूप से प्रोसेस व पैक कर इवियन 400 एमजी को बाजार में भेजा जा रहा था।

ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने के लिए दी जाने वाली टेल्मा एएम बैच नंबर 18240682 और टेल्मा एच की बैच नंबर 18240905, बैच नंबर 18240905 और बैच नंबर 18240628 को फर्जी बिलिंग में दर्ज किया गया है। ऐसे में आशंका है कि यह बैच नंबर नकली दवाओं पर दर्ज नंबर है। ऐसे में बाजार में ब्लड प्रेशर की बड़ी मात्रा में नकली दवाएं पहुंच चुकी हैं।

CJP Protest: सामान्य हुई लुटियंस दिल्ली,

दीवारों से मिटे आंदोलन के निशान; पर्यटकों की चहल-पहल लौटी; तस्वीरें

सीजेपी प्रदर्शन खत्म होने के बाद लुटियंस दिल्ली सामान्य हो गई है। जंतर-मंतर से हटे बैरिकेड हटा दिए गए हैं। दीवारों से आंदोलन के निशान मिटा दिए गए हैं। रातभर सफाई अभियान चला। संसद मार्ग समेत सभी प्रमुख रास्तों पर यातायात सामान्य हो गया है। पर्यटकों की चहल-पहल लौट गई है।प्रदर्शन, कड़े सुरक्षा इंतजाम और यातायात प्रतिबंधों के कारण एक सप्ताह तक प्रभावित रही लुटियंस दिल्ली ने शनिवार रात आंदोलन समाप्त होने के बाद रविवार को सामान्य स्थिति में वापसी कर ली। जंतर-मंतर पर धरना खत्म होते ही प्रशासन ने रातभर सफाई अभियान चलाया। सुबह तक जंतर-मंतर, संसद मार्ग और आसपास की सड़कों से पोस्टर, बैनर, प्लास्टिक की बोतलें और अन्य सामान हटा दिया गया। आंदोलन के लगभग सभी निशान मिटा दिए गए। इलाके में लगाए गए अस्थायी बैरिकेड और सुरक्षा नाके भी हटा लिए गए।इसके बाद संसद मार्ग, अशोक रोड, जनपथ, कनॉट प्लेस, विंडसर प्लेस, बाबा खड़क सिंह मार्ग और मंडी हाउस की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर यातायात सामान्य हो गया। कई दिनों से लंबे डायवर्जन और जाम से परेशान वाहन चालकों, कार्यालय आने-जाने वालों तथा टैक्सी-ऑटो चालकों ने राहत की सांस ली। उनका कहना था कि मार्ग परिवर्तन के कारण समय और ईंधन दोनों की अतिरिक्त खपत हो रही थी, जबकि रविवार को सफर पहले की तरह सहज रहा।

आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर के साथ-साथ मोबाइल फोन और सोशल मीडिया भी विरोध का प्रमुख माध्यम बने। इंटरनेट युग की युवा पीढ़ी ने प्रदर्शन की गतिविधियों, भाषणों और नारों को मोबाइल कैमरों में रिकॉर्ड कर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया। वीडियो, तस्वीरें और मीम्स तेजी से वायरल हुए, जिससे आंदोलन को व्यापक पहचान मिली और बड़ी संख्या में युवा इससे जुड़े।उधर, जंतर-मंतर और टॉलस्टॉय मार्ग की दीवारों को भी रातों-रात पुराने स्वरूप में लौटा दिया गया। नगर परिषद के कर्मचारियों ने सफेद रंग से सभी ग्रैफिटी,

नारों और संदेशों को ढक दिया। इंपीरियल होटल के सामने की लंबी दीवार, जिस पर लोकतंत्र, संविधान, अभिव्यक्ति की आजादी और बदलाव जैसे विषयों पर युवाओं ने अपने विचार लिखे थे, रविवार तक फिर सामान्य दिखाई देने लगी। पेड़ों, लोहे के गेटों और फुटपाथों पर बने अधिकांश निशान भी हटा दिए गए।रविवार शाम तक पूरा जंतर-मंतर ऐसा दिखाई दे रहा था, मानो यहां पिछले सप्ताह हजारों युवाओं का जमावड़ा कभी लगा ही न हो। प्रशासन के अनुसार, पूरे इलाके को सामान्य स्थिति में लौटाने और सार्वजनिक संपत्ति को पहले जैसी अवस्था में बहाल करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

आंदोलन समाप्त होने के बाद सबसे अधिक राहत वाहन चालकों और आम लोगों को मिली। जहां पिछले कई दिनों से कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में लंबा समय लग रहा था, वहीं रविवार को बिना किसी डायवर्जन के लोग आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंचे।

अमेरिका: फूड फेस्टिवल में गोलीबारी, मची अफरा-तफरी, बच्चे समेत 4 लोग घायल; क्या है पूरा मामला?

अमेरिका के सिएटल में फूड फेस्टिवल के दौरान हुई गोलीबारी में बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद पुलिस ने इलाके को खाली कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है, जानिए क्या है पूरा मामला? अमेरिका के सिएटल में रविवार रात हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत कम से कम चार लोग घायल हो गए। यह घटना स्पेस नीडल के पास स्थित एक कार्यक्रम स्थल में हुई। एक अस्पताल की प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने तुरंत इस घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी जारी नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से इस इलाके से दूर रहने की अपील की है।

घायलों में कौन-कौन शामिल हैं?

हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता सुसान ग्रेग ने बताया कि अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें एक छोटा बच्चा, 23 साल का एक युवक और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एक घायल की हालत गंभीर है।

फूड फेस्टिवल के दौरान कैसे मची भगदड़?

सिएटल सेंटर में पूरे सप्ताहांत बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल चल रहा था। एक चश्मदीद एस्टन वाकोनाबो ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फेस्टिवल में फोटो बूथ के लिए लाइन में खड़े थे। तभी किसी ने उन्हें पीछे से धक्का दिया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो बड़ी संख्या में लोग भागते हुए नजर आए।

वाकोनाबो ने कहा, लोग छिप रहे थे। एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। कई लोग जमीन पर गिर रहे थे और बच्चों की गाड़ियां भी गिर रही थीं। उन्होंने बताया कि उसी समय उन्हें गोलियों की आवाज सुनाई दी।

इस्राइल को चुनौती दे रहा ईरान?: हिजबुल्ला के समर्थन में आए मोजतबा, कहा- जिहाद और प्रतिरोध ही आखिरी रास्ता

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने हिजबुल्ला के समर्थन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने संगठन को इस्राइल के खिलाफ मजबूत चट्टान बताते हुए कहा कि मौजूदा हालात में जिहाद और प्रतिरोध के अलावा आगे बढ़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इस्राइल के खिलाफ हिजबुल्ला के लड़ाकों की खुलकर सराहना की है। उन्होंने हिजबुल्ला को आक्रामकता के खिलाफ मजबूत चट्टान बताते हुए कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ने लेबनानी लड़ाकों की रक्षा को अपनी रणनीतिक नीति का हिस्सा बनाया है।

मोजतबा खामेनेई ने हिजबुल्ला को लेकर क्या कहा?

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, मोजतबा खामेनेई ने कहा कि हिजबुल्ला की मजबूती दुनिया भर के उन देशों के लिए हौसले का संदेश बन गई है, जो दमन और वैश्विक अहंकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

शेख नईम कासिम को लिखे जवाब में क्या कहा गया?

सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में खामेनेई ने हिजबुल्ला के महासचिव शेख नईम कासिम और संगठन के लड़ाकों की ओर से भेजे गए वफादारी पत्र का जवाब दिया। उन्होंने उनके धैर्य, बड़प्पन और त्याग की सराहना करते हुए हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ प्रतिरोध में सबसे आगे रहने वाली अडिग चट्टान बताया।

'जिहाद और प्रतिरोध' को लेकर खामेनेई का क्या बयान रहा?

खामेनेई ने कहा कि आज जब दुनिया के कई देश अमेरिकी सरकार और अपराधी जायोनी ताकतों के अत्याचार और दमन से परेशान हैं, तब जिहाद और प्रतिरोध के अलावा आगे बढ़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि लेबनान का हिजबुल्ला जिहादी समूहों का नेतृत्व करते हुए इस्राइल और उसके समर्थकों के हिंसक हमलों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। उनके अनुसार, यह दृढ़ता दुनिया के आजाद देशों के लिए प्रेरणा का संदेश बन गई है।

ईरान ने अपनी रणनीतिक नीति को लेकर क्या कहा?

मोजतबा खामेनेई ने कहा कि इन लड़ाकों की रक्षा करना ईरान की रणनीतिक नीति है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त करने से जुड़े किसी भी समझौते के लिए लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखना और इस्राइली "आक्रामकता" को पूरी तरह तथा बिना शर्त समाप्त करना पहली शर्त होनी चाहिए।

हिजबुल्ला के विकास को लेकर क्या टिप्पणी की गई?

खामेनेई ने दक्षिणी लेबनान के लोगों के धैर्य और समर्थन की सराहना की। उन्होंने हिजबुल्ला के दिवंगत नेता सैयद हसन नसरल्लाह और अन्य कमांडरों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि लड़ाकों ने हिजबुल्ला को एक "छोटे पौधे" से "बड़े पेड़" में बदल दिया और पूरे इस्लामी जगत में लेबनान का सम्मान बढ़ाया।

एपस्टीन की 'फेवरेट': बेलारूस की डेंटिस्ट की कहानी, जो $100 मिलियन, 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी की बनी दावेदार

अरबपति अपराधी जेफरी एप्स्टीन की मौत के कई वर्षों बाद उससे जुड़ी एक ऐसी महिला का खुलासा हुआ है, जो करोड़ों की संपत्ति की मालकिन बनने जा रही है। इस महिला का नाम डॉ. करिना शुलियाक है, जो बेलारूस से ताल्लुक रखने वाली एक 37 वर्षीय डेंटिस्ट हैं। आइए इस पूरी और चौंकाने वाली कहानी को आसान हिंदी में विस्तार से जानते हैं...

अमेरिका में यौन अपराधों के आरोपी जेफरी एपस्टीन की मौत के करीब सात साल बाद उसकी कथित गर्लफ्रेंड डॉ. करिना शुलियाक एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा जारी लाखों दस्तावेजों में दोनों के रिश्ते से जुड़ी कई नई जानकारियां सामने आई हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार, बेलारूस की रहने वाली 37 वर्षीय डेंटिस्ट करिना शुलियाक एपस्टीन की वसीयत में शामिल हैं और उन्हें उसकी संपत्ति से 100 मिलियन डॉलर (करीब 860 करोड़ रुपये) तक की रकम और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी मिल सकती है। हालांकि उन्हें आखिरकार कितनी संपत्ति मिलेगी, यह अभी तय नहीं है।

2011 में हुई थी पहली मुलाकात

एक अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, करिना 2010 में स्टूडेंट वीजा पर बेलारूस से अमेरिका आई थीं। वह अंग्रेजी सीख रही थीं और एक डेंटल असिस्टेंट के रूप में करीब 15 डॉलर प्रति घंटे की नौकरी करती थीं। मार्च 2011 में उनकी मुलाकात 58 वर्षीय जेफरी एपस्टीन से हुई। शुरुआत में उन्होंने एपस्टीन की आर्थिक मदद लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में दोनों के बीच करीबी रिश्ता बन गया। कुछ ही महीनों में करिना एपस्टीन के न्यू मैक्सिको स्थित रैंच और निजी द्वीप तक पहुंच गईं।

पढ़ाई से लेकर खर्च तक सब उठाया

दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने करिना की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाया। उसने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, उसने विश्वविद्यालय को करीब 2.10 लाख डॉलर का दान भी दिया।

एपस्टीन ने करिना की ट्यूशन फीस भरी, उन्हें क्रेडिट कार्ड दिया, दुनिया भर की यात्राएं कराईं और वर्षों में करीब 10 लाख डॉलर दिए। उसने करिना के माता-पिता को भी बेलारूस में हजारों डॉलर भेजे।

अमेरिका की नागरिकता दिलाने के लिए कराई शादी

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करिना का स्टूडेंट वीजा खत्म हो चुका था। ऐसे में 2013 में एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से रहने का रास्ता निकालने के लिए अपनी एक महिला कर्मचारी और कथित पीड़िता से शादी कराने की योजना बनाई। दोनों महिलाओं की शादी न्यूयॉर्क में हुई। इसके बाद इमिग्रेशन दस्तावेज दाखिल किए गए और करिना को ग्रीन कार्ड मिल गया। बाद में 2018 में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। एक साल बाद दोनों का तलाक हो गया। बाद में अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दूसरी महिला ने आरोप लगाया था कि उस पर यह शादी करने का दबाव बनाया गया था।

एपस्टीन के घर और संपत्तियों का संभालती थीं काम

2019 तक करिना एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित आलीशान घर में रहती थीं। वह उसकी कई संपत्तियों के प्रबंधन में भी मदद करती थीं। घरों की देखभाल, कर्मचारियों का काम, फर्नीचर की खरीद और अन्य व्यवस्थाएं वह संभालती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, मोरक्को में एक महल खरीदने की कोशिश में भी उनकी भूमिका थी।

मौत से पहले आखिरी बार करिना से हुई थी बात

जुलाई 2019 में एपस्टीन को यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद जेल से उसने करिना को फोन किया। बताया जाता है कि यही उसकी आखिरी फोन कॉल थी। उसने करिना से कहा था कि मुकदमे में समय लगेगा और फिलहाल वह कहीं और रहने की व्यवस्था कर लें। अगले ही दिन 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में एपस्टीन मृत पाया गया। अधिकारियों ने उसकी मौत को आत्महत्या बताया था।

वसीयत में मिला बड़ा हिस्सा

मौत से कुछ समय पहले एपस्टीन ने अपनी वसीयत में संशोधन किया था। उसमें करिना के लिए 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी और अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा छोड़ा गया। हालांकि पीड़ितों को मुआवजा देने के बाद अब एपस्टीन की संपत्ति का मूल्य लगभग 120 से 200 मिलियन डॉलर के बीच बताया जाता है। इसलिए करिना को वास्तविक रूप से कितनी रकम मिलेगी, यह कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

फिर शुरू किया डेंटिस्ट का करियर

एपस्टीन की मौत के बाद करिना ने दोबारा अपने डेंटिस्ट करियर पर ध्यान दिया। उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पोस्टडॉक्टोरल प्रोग्राम पूरा किया और 2025 में न्यूयॉर्क में डेंटिस्ट के रूप में लाइसेंस हासिल कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, वह ब्रुकलिन के एक छोटे क्लिनिक में पार्ट-टाइम डेंटिस्ट के तौर पर काम करने लगी थीं, जहां मरीज उन्हें सिर्फ 'डॉ. करिना' के नाम से जानते थे। लेकिन जब एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक हुए तो उन्होंने नौकरी छोड़ दी और फिर वापस नहीं लौटीं।

Automobile Market: महंगी होती कारें, बढ़ता ईवी क्रेज और AI का असर... जानिए कैसे बदल रहा है दुनिया का ऑटो बाजार

बढ़ती महंगाई और वित्तीय चिंताओं के बीच वैश्विक ऑटोमोटिव और परिवहन क्षेत्र में एक अभूतपूर्व बदलाव देखा जा रहा है। मैकिन्से की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, जेब पर पड़ता आर्थिक दबाव, इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति बढ़ता रुझान, उन्नत प्रौद्योगिकियां और मोबिलिटी की बदलती प्राथमिकताएं वैश्विक वाहन बाजार का नया चेहरा तय कर रही हैं। दुनियाभर में ऑटोमोबाइल और परिवहन क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। वाहन खरीदने वालों की प्राथमिकताएं अब पहले जैसी नहीं रहीं। बढ़ती कीमतों के कारण लोग बजट को लेकर ज्यादा सतर्क हो गए हैं, वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और नई मोबिलिटी सेवाओं में दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। मैकिन्से (McKinsey) की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि किफायती विकल्प, नई तकनीक और बदलती मोबिलिटी जरूरतें आने वाले समय में वैश्विक ऑटो बाजार की दिशा तय करेंगी। यह रिपोर्ट चीन, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका के 20,000 से अधिक मोबिलिटी यूजर्स पर किए गए सर्वे के आधार पर तैयार की गई है।

महंगाई और बजट की चिंताएं खरीदारों के फैसलों को कैसे प्रभावित कर रही हैं?

रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक दबाव अब लोगों के वाहन खरीदने के फैसलों को सीधे प्रभावित कर रहा है। कई ग्राहक नई कार खरीदने की योजना तो बना रहे हैं, लेकिन बजट की वजह से अपने फैसले बदल रहे हैं। 32% लोगों ने खरीद टालने की बात कही: सर्वे में शामिल करीब एक-तिहाई लोगों ने कहा कि आर्थिक कारणों से वे अपनी अगली गाड़ी की खरीद फिलहाल टाल सकते हैं। 45% छोटे वाहन पर विचार कर रहे हैं: लगभग आधे उत्तरदाताओं ने कहा कि बजट के भीतर रहने के लिए वे अपनी पहले की योजना की तुलना में छोटा वाहन खरीदने पर विचार करेंगे।

क्या ग्राहक अब गुणवत्ता से समझौता करेंगे?

बजट की चिंता बढ़ने के बावजूद ग्राहक तकनीक और गुणवत्ता के मामले में समझौता करने के पक्ष में नहीं दिख रहे हैं। उनके लिए कीमत के साथ-साथ आधुनिक फीचर्स भी उतने ही महत्वपूर्ण बने हुए हैं। 60% के लिए 'वैल्यू फॉर मनी' सबसे अहम: सर्वे में शामिल 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वाहन खरीदते समय उन्हें सबसे ज्यादा महत्व उस उत्पाद को मिलता है, जो कीमत के मुकाबले बेहतर मूल्य प्रदान करे।

एडवांस फीचर्स की मांग बरकरार: आर्थिक दबाव के बावजूद उपभोक्ता आधुनिक तकनीक और नए फीचर्स से लैस वाहन ही चाहते हैं।

किन देशों में EV की मांग सबसे ज्यादा है?

रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, हालांकि अलग-अलग देशों में इसकी रफ्तार अलग है।

चीन सबसे आगे: 80 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि उनका अगला वाहन इलेक्ट्रिक होने की संभावना है।

यूरोप में लगभग आधे खरीदार तैयार: यूरोप में करीब 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई।

जापान: यहां 37 प्रतिशत लोगों ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की संभावना जताई।

अमेरिका: अमेरिका में यह आंकड़ा 36 प्रतिशत रहा।

EV खरीदने वालों की सोच में क्या बदलाव आया है?

रिपोर्ट बताती है कि अब इलेक्ट्रिक वाहन केवल शुरुआती तकनीक अपनाने वाले ग्राहकों तक सीमित नहीं हैं। धीरे-धीरे यह आम ग्राहकों की पसंद भी बनते जा रहे हैं।

मिडिल क्लास परिवार भी जुड़ रहे हैं: अब मध्यमवर्गीय परिवार और व्यवहारिक सोच रखने वाले ग्राहक भी संभावित ईवी खरीदारों में शामिल हो रहे हैं।

रेंज एंग्जायटी कम हुई: पहले की तुलना में बैटरी खत्म होने की चिंता काफी कम हुई है।

फिर भी कुछ चिंताएं बाकी हैं: चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बैटरी की लंबी उम्र और वाहन की कीमत अभी भी कई ग्राहकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

AI और ADAS क्यों बन रहे हैं नए गेम चेंजर?

रिपोर्ट के अनुसार अब केवल इंजन या डिजाइन ही ग्राहकों का फैसला तय नहीं करेंगे। AI, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) और डिजिटल व्हीकल इकोसिस्टम जैसी तकनीकें भी कंपनियों के बीच बड़ा अंतर पैदा कर रही हैं।

बेहतर सेल्फ-ड्राइविंग के लिए ब्रांड बदलने को तैयार: सर्वे में शामिल हर चार में से लगभग एक व्यक्ति ने कहा कि यदि किसी दूसरे ब्रांड में बेहतर सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक मिलती है तो वह ब्रांड बदल सकता है।

चीन में सबसे ज्यादा दिलचस्पी: सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक को लेकर सबसे अधिक उत्साह चीन के ग्राहकों में देखा गया।

क्या ग्राहकों की ब्रांड लॉयल्टी कमजोर पड़ रही है?

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अब ग्राहक पहले की तुलना में किसी एक ब्रांड से लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए उतने प्रतिबद्ध नहीं हैं।

28% ग्राहक ब्रांड बदल सकते हैं: सर्वे में शामिल 28 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगली बार वाहन खरीदते समय वे दूसरे ब्रांड का विकल्प चुन सकते हैं।

चीनी कंपनियां तेजी से आकर्षित कर रहीं ग्राहक: प्रतिस्पर्धी कीमत और आधुनिक तकनीक के कारण नए ऑटोमोबाइल ब्रांड, खासकर चीन की कंपनियां, ग्राहकों का ध्यान तेजी से अपनी ओर खींच रही हैं।

वाहन खरीदने का तरीका कैसे बदल रहा है?

नई पीढ़ी के ग्राहक अब केवल शोरूम पर निर्भर नहीं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन टूल्स वाहन खरीदने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं।

AI टूल्स का बढ़ता इस्तेमाल: युवा ग्राहक और ईवी खरीदने वाले लोग वाहन चुनने की प्रक्रिया में AI आधारित टूल्स का अधिक उपयोग कर रहे हैं।

ओम्नीचैनल खरीदारी का बढ़ता चलन: ग्राहक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों का इस्तेमाल करके वाहन खरीदने का फैसला ले रहे हैं।

भविष्य की मोबिलिटी कैसी होगी?

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले वर्षों में केवल निजी वाहन ही नहीं, बल्कि नई मोबिलिटी सेवाएं भी परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा बनेंगी।

शेयर्ड ऑटोनॉमस वाहन: साझा उपयोग वाले स्वचालित वाहनों की भूमिका बढ़ने की संभावना है।

माइक्रोमोबिलिटी का विस्तार: छोटे दूरी के परिवहन विकल्प भी भविष्य के मोबिलिटी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।

McKinsey ने कंपनियों को क्या सलाह दी?

रिपोर्ट के अनुसार आने वाले समय में वही ऑटोमोबाइल निर्माता और मोबिलिटी सेवा प्रदाता प्रतिस्पर्धा में आगे रह पाएंगे, जो किफायती कीमत, एडवांस टेक्नोलॉजी, ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत अनुभव और लचीले मोबिलिटी समाधान, इन सभी का संतुलित मेल ग्राहकों को उपलब्ध करा सकेंगे।

बदलती उपभोक्ता अपेक्षाओं के बीच कंपनियों के लिए केवल अच्छा उत्पाद बनाना पर्याप्त नहीं होगा। बल्कि ग्राहकों की नई जरूरतों के अनुसार खुद को लगातार विकसित करना भी उतना ही जरूरी होगा।

15 अगस्त से पहले दहलाने की साजिश: 1.3 किलो हाई एक्सप्लोसिव आईईडी मिली, विस्फोटक कहां से आया और निशाना क्या था?

मोटरसाइकिल (पीबी-08-ईटी-6736) भी बरामद की गई है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि बीकेआई से जुड़ा एक सक्रिय सदस्य अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर विस्फोटक सामग्री लेकर आने वाला है। इसके बाद काउंटर इंटेलिजेंस और जालंधर देहात पुलिस ने गांव ढंडोर के पास संयुक्त नाकाबंदी की। जांच के दौरान सतबीर सिंह को रोककर उसके बैग की तलाशी ली गई जिसमें आईईडी बरामद हुई। डीजीपी ने बताया कि आईईडी में बड़ी मात्रा में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भरे गए थे जिससे साफ है कि इसे अधिकतम जानहानि पहुंचाने और राज्य में दहशत फैलाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। पुलिस यह पता लगा रही है कि विदेश में बैठे कौन से हैंडलर्स इस मॉड्यूल को संचालित कर रहे थे।

15 अगस्त से पहले पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम हुई है। पंजाब में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। 1.3 किलो हाई एक्सप्लोसिव आईईडी के साथ मुख्य ऑपरेटिव गिरफ्तार हुआ है। आईएसआई समर्थित नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की गई है। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब में बड़े आतंकी हमले की साजिश को पंजाब पुलिस ने नाकाम कर दिया। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके मुख्य ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.3 किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से तैयार इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि समय रहते की गई कार्रवाई से बड़े स्तर पर जनहानि की साजिश विफल हो गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतबीर सिंह निवासी गांव पड़ियाना, आदमपुर (जालंधर) के रूप में हुई है। उसके कब्जे से काले रंग की प्लेटिना

अमेरिका से टैरिफ जंग में भारत की लगी लॉटरी: भारतीय दवाओं के लिए यूरोप ने खोले दरवाजे; निर्यात को मिली हरी झंडी

अमेरिका के साथ टैरिफ तनाव के बीच यूरोप ने भारतीय दवा उद्योग के लिए बड़ा अवसर पैदा किया है। सीडीएससीओ ने तीन भारतीय कंपनियों को यूरोपीय संघ में एपीआई निर्यात की मंजूरी दी है। इससे भारतीय जेनेरिक दवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी, निर्यात को गति मिलेगी और यूरोपीय बाजार में भारत की हिस्सेदारी मजबूत होगी। हालांकि कंपनियों को सख्त गुणवत्ता मानकों का लगातार पालन करना होगा।अमेरिका के साथ टैरिफ तनाव के बीच यूरोप ने भारतीय दवा कंपनियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने कई भारतीय कंपनियों को यूरोपीय संघ (ईयू) में दवाओं के कच्चे पदार्थ यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के निर्यात के लिए लिखित मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि ये कंपनियां अब यूरोप के सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए कैंसर, एंटीबायोटिक और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले एपीआई का निर्यात कर सकेंगी।सीडीएससीओ ने स्पष्ट किया है कि मंजूरी मिलने के बाद भी सभी कंपनियों को लगातार गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। यदि निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलती है, दवा की गुणवत्ता मानकों से कम पाई जाती है या स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय नियामकों की रिपोर्ट में कोई अनियमितता सामने आती है, तो इसकी जानकारी सात दिनों के भीतर देनी होगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में यह मंजूरी तत्काल निलंबित या रद्द की जा सकती है।

इस समझौते से भारत और यूरोप को क्या होगा फायदा

दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर लगने वाले कर समाप्त होने से भारतीय जेनेरिक दवाएं यूरोप में और अधिक सस्ती तथा प्रतिस्पर्धी बनेंगी। साथ ही, प्रशासनिक लागत कम होगी और नियमों के सरल होने से दवाओं को यूरोप में मंजूरी मिलने की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में तेज हो जाएगी।किन भारतीय कंपनियों को मिली यूरोप में निर्यात की मंजूरी यूरोपीय संघ में एपीआई निर्यात की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में ऑनर लैब लिमिटेड (तेलंगाना), रवि बायोलाइफ प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र) और यूनीमैक्स केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र) शामिल हैं।

Gold Silver Price: सोने ने पकड़ी रफ्तार, 10 ग्राम 1.47 लाख रुपये के पार; चांदी भी चमकी

सोने की कीमतों में उछाल क्यों आया

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, जिंस, सौमिल गांधी ने बताया कि सोने की कीमतों में यह वृद्धि अमेरिका-ईरान के नए राजनयिक प्रयासों के कारण हुई। इन राजनयिक प्रयासों से भू-राजनीतिक तनाव में कमी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। इसने सर्राफा बाजार को मजबूत समर्थन प्रदान किया। गांधी ने आगे कहा कि चीन से मजबूत भौतिक मांग बनी हुई है। साथ ही, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार खरीदारी भी जारी है। इन दोनों कारकों ने बहुमूल्य धातुओं को लगातार सहारा दिया है। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 50.12 अमेरिकी डॉलर यानी 1.25 फीसदी बढ़कर 4,057.89 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी जिंस अनुसंधान, कायनात चैनवाला ने बताया कि हाजिर सोने की कीमतें मंगलवार को ऊपर चढ़ीं। यह 4,082 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह 4,000 अमेरिकी डॉलर से नीचे की गिरावट आई थी। इस गिरावट के बाद धातु ने अपनी खोई हुई जमीन वापस पाई है। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक बढ़कर 58.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई।मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख, प्रवीण सिंह के अनुसार, चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक वार्ता से क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीद है।

दिल्ली में सोने का भाव 800 रुपये बढ़कर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ। मजबूत स्थानीय मांग, वैश्विक रुझान और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से सोने को समर्थन मिला। चांदी ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। देश की राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमतों में 800 रुपये का बड़ा उछाल देखा गया। मजबूत भौतिक मांग और वैश्विक रुझानों के चलते 10 ग्राम सोने का भाव 1.47 लाख रुपये के पार पहुंच गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें सभी कर शामिल हैं। सोमवार को सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी का भाव 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर और अपरिवर्तित रहा।घरेलू सर्राफा बाजार में कारोबारियों ने सोने में लगातार खरीदारी दर्ज की। वहीं, हालिया सुधार के बाद चांदी की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया और यह सपाट बनी रही।

एफसीएनआर योजना का बड़ा असर: 45 दिन में टूटा 13 साल पुराना रिकॉर्ड, भारत आ सकते हैं 7 लाख करोड़ रुपये

आखिर 45 दिनों में कैसे टूटा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

रिपोर्ट में बताया गया है कि योजना के जरिए बैंकों ने महज 45 दिनों में ही इतना फंड जुटा लिया है, जिसने वर्ष 2013 में तीन महीने के दौरान जुटाए गए कुल फंड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह योजना 30 सितंबर तक खुली रहेगी। एसबीआई रिसर्च ने एफसीएनआर (बी) योजना के अपने पुराने अनुमान (40-45 अरब डॉलर) को संशोधित कर बढ़ा दिया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल एफसीएनआर जमा के जरिए ही योजना के अंत तक 65 से 70 अरब डॉलर आने की उम्मीद है। इसके अलावा, अगस्त और सितंबर 2026 में परिपक्व होने वाले पुराने डिपॉजिट का एक बड़ा हिस्सा भी ऊंची ब्याज दरों के आकर्षण से इसी योजना में दोबारा निवेश हो जाएगा।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना को उम्मीद से बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, योजना के तहत भारत में 80-85 अरब डॉलर (करीब 7.1 लाख करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा आने का अनुमान है। महज 45 दिनों में जुटाई गई राशि ने 2013 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।आरबीआई की ओर से विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए शुरू की गई एफसीएनआर (बी) योजना के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना के जरिए भारत में कुल 80 से 85 अरब डॉलर (लगभग 7.1 लाख करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा आ सकती है।

अब तक किस माध्यम से कितना निवेश आया है

17 जुलाई तक के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक आए कुल निवेश में मुख्य योगदान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का रहा। इसमें बाहरी वाणिज्यिक कर्ज (ईसीबी) से 1.34 अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा में कर्ज से 1.97 अरब डॉलर की राशि शामिल है।आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि विदेशी मुद्रा को आकर्षित करने के लिए जून में घोषित योजनाओं के तहत अब तक 32 अरब डॉलर की राशि भारत आ चुकी है। टैक्स नियमों में रियायत मिलने के बाद डेट सिक्योरिटीज में विदेशी निवेशकों ने करीब 7 अरब डॉलर का निवेश किया है।

HDFC Fine: एचडीएफसी बैंक ने अपने ही CEO और CFO पर लगाया एक लाख रुपये का जुर्माना, जानिए क्या है पूरा मामला

आखिर शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की नौबत क्यों आई

एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के साथ बैंक के जमा समझौतों की एक विस्तृत आंतरिक समीक्षा पूरी की है। यह समीक्षा स्वतंत्र निदेशकों की एक विशेष अनुशासनात्मक समिति द्वारा की गई थी। इस समिति ने साल 2017 और 2021 में इस सरकारी बुनियादी ढांचा एजेंसी से जमा राशि जुटाने के लिए किए गए बैंक के समझौतों की गहन जांच की। जांच रिपोर्ट के आधार पर, बोर्ड ने 23 जुलाई 2026 को हुई अपनी बैठक में पाया कि इस प्रक्रिया में शामिल कर्मचारी "बिजनेस ओवररीच" के दोषी थे, जिसके बाद यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। इस स्वतंत्र समीक्षा में यह स्पष्ट रूप से साफ हो गया है कि इस पूरे मामले में किसी भी तरह का निजी फायदा या गलत मंशा शामिल नहीं थी। बैंक द्वारा जारी एक सार्वजनिक बयान में कहा गया कि स्वतंत्र निदेशकों की विशेष अनुशासनात्मक समिति की सिफारिशों के बाद बोर्ड इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि संबंधित कर्मचारियों का आचरण किसी दुर्भावना, व्यक्तिगत संवर्धन या अनुचित उद्देश्य से प्रेरित नहीं था। यह मुख्य रूप से बैंक के व्यावसायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए की गई एक "व्यावसायिक अति-सक्रियता" (बिजनेस ओवररीच) थी, जिसमें कोई अनुचित मंशा शामिल नहीं थी।भले ही अधिकारियों की मंशा गलत नहीं थी, लेकिन बैंक के बोर्ड ने पाया कि उनका यह आचरण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लागू दिशा-निर्देशों से संभावित रूप से अलग हो सकता था। नियामक अनुपालन की गरिमा को बनाए रखने और भविष्य में ऐसी किसी भी नियामक चूक को रोकने के लिए बोर्ड ने यह कड़ा कदम उठाया।

कॉरपोरेट गवर्नेंस की बड़ी मिसाल। जानें क्यों HDFC बैंक ने अपने ही CEO, CFO और रिटेल हेड पर लगाया ₹1 लाख का जुर्माना और क्या था MSRDC का पूरा विवाद। पूरी रिपोर्ट पढ़ें। भारतीय बैंकिंग सेक्टर में कॉरपोरेट गवर्नेंस और आंतरिक अनुशासन की एक बेहद दुर्लभ और बड़ी मिसाल देखने को मिली है। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक (एचडीएफसी बैंक) के बोर्ड ने अपने ही प्रबंध निदेशक (एमडी) व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और रिटेल एसेट्स के ग्रुप हेड पर एक-एक लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना और चेतावनी पत्र जारी किया है। बैंकिंग इतिहास में किसी बैंक द्वारा अपने ही शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ऐसी अनुशासनात्मक कार्वाई करना बेहद असाधारण है। यह फैसला एक सरकारी बुनियादी ढांचा एजेंसी के साथ हुए जमा समझौतों की स्वतंत्र आंतरिक समीक्षा में "बिजनेस ओवररीच" (व्यावसायिक सीमा का उल्लंघन) पाए जाने के बाद लिया गया है।इसके तहत बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) और ग्रुप हेड - रिटेल एसेट्स को लिखित वार्निंग लेटर के साथ-साथ एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने का अंतिम फैसला किया गया।कर्मचारियों पर भी अनुशासनात्मक कार्वाई की है।

Aviation: विमानन क्षेत्र का विस्तार करने की तैयारी, जानिए 44 हवाई अड्डों के जरिए कैसे बढ़ेगा वैश्विक संपर्क

हब एंड स्पोक मॉडल क्या है

हब और स्पोक मॉडल विमानन (एविएशन) की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें छोटे शहरों के हवाई अड्डे (स्पोक) यात्रियों को एक बड़े केंद्रीय हवाई अड्डे (हब) तक ले जाते हैं, और उस हब से यात्री आगे लंबी दूरी के देशों या अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के उड़ान भरते हैं। नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने अमृतसर हवाई अड्डे पर एक समारोह में इस मॉडल की शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने बताया कि चार हब और 40 स्पोक हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। अमृतसर से एयर इंडिया इस मॉडल के तहत दिल्ली के माध्यम से 27 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ेगी। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने एक वीडियो संदेश में कहा। उन्होंने बताया कि हब एंड स्पोक भारत के लिए एक "विमानन संप्रभुता" और "अवसर" मॉडल है। सरकार का लक्ष्य 10 वर्षों में 100 हवाई अड्डे और 200 हेलीपोर्ट विकसित करना है।इस मॉडल के तहत एयर इंडिया ने 'ईजी कनेक्ट' उड़ानें पेश की हैं। ये उड़ानें प्रमुख हब से परे के शहरों के यात्रियों को सुविधा देंगी। यात्री मूल हवाई अड्डे पर अपना सामान जमा कर सकेंगे। वे वहीं आव्रजन औपचारिकताएं भी पूरी कर सकेंगे।

भारत सरकार 44 हवाई अड्डों के साथ हब एंड स्पोक मॉडल से वैश्विक हवाई संपर्क बढ़ाएगी। एयर इंडिया ने अमृतसर से 'ईजी कनेक्ट' उड़ानें शुरू कीं, जिससे छोटे शहरों के यात्री सीधे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच सकेंगे।भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क को निर्बाध बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इस योजना के तहत देश में कुल 44 हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। इनमें चार हब हवाई अड्डे और 40 स्पोक हवाई अड्डे शामिल होंगे। यह जानकारी 28 जुलाई 2026 को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी।एयर इंडिया ने 28 जुलाई 2026 को अमृतसर से हब एंड स्पोक मॉडल के तहत उड़ानें शुरू कीं। वाराणसी के बाद अमृतसर दूसरा हवाई अड्डा है जहां से ऐसी उड़ानें शुरू हुई हैं। वर्तमान में दिल्ली एकमात्र हब हवाई अड्डा है। वाराणसी और अमृतसर दो स्पोक हवाई अड्डे हैं। अगला स्पोक हवाई अड्डा अहमदाबाद होगा। यह मॉडल भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने का लक्ष्य रखता है। यह टियर-II और टियर-III शहरों के हवाई अड्डों को हब हवाई अड्डों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से निर्बाध रूप से जोड़ेगा। छोटे शहरों से आने वाले यात्रियों को आगे की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए दिल्ली जैसे प्रमुख हब हवाई अड्डों से जोड़ा जाएगाइससे वे विदेशी गंतव्यों तक निर्बाध यात्रा कर पाएंगे। अमृतसर से एयर इंडिया की 'ईजी कनेक्ट' उड़ानें दिल्ली पहुंचने के चार घंटे के भीतर 27 विदेशी गंतव्यों से जुड़ेंगी।

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट का सिलसिला टूटा; सेंसेक्स 569 अंक चढ़ा, निफ्टी 23950 के करीब

सोमवार को शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजार भी अधिकतर बढ़त के साथ खुले। गिफ्ट निफ्टी 0.48 फीसदी बढ़कर 23,942.00 पर रहा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.40 फीसदी की वृद्धि के साथ 64,870.00 पर पहुंच गया। हैंग सेंग सूचकांक 0.87 फीसदी बढ़कर 25,183.00 पर बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 3,829.39 पर रहा।कुछ एशियाई बाजारों में गिरावट भी दर्ज की गई। ताइवान वेटेड सूचकांक 0.98 फीसदी गिरकर 43,232.88 पर आ गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.50 फीसदी फिसलकर 6,657.15 पर बंद हुआ। पश्चिमी बाजारों में भी मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोन्स फ्यूचर्स 289.60 अंक या 0.56 फीसदी बढ़कर 52,236.85 पर कारोबार कर रहा था।

सोमवार, 27 जुलाई 2026 को भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। सेंसेक्स और निफ्टी ने ईरान-अमेरिका तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण तेजी से शुरुआत की। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और विश्लेषकों की राय।भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को सप्ताह की शुरुआत तेजी के साथ की। बीएसई सेंसेक्स 549.21 अंक या 0.72 फीसदी बढ़कर 76,608.98 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 में 166.85 अंक या 0.70 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। निफ्टी 23,934.30 अंक के स्तर पर पहुंच गया।पीएल कैपिटल के हेड एडवाइजरी विक्रम कासट के अनुसार 1000 करोड़ रुपये से अधिक बाजार पूंजीकरण वाली 300 से ज्यादा कंपनियों ने नतीजे घोषित किए हैं। इन कंपनियों की आय का रुझान उत्साहजनक बना हुआ है। कासट ने कहा कि उच्च ऊर्जा लागत की चिंताओं के बावजूद मार्जिन में कमी नहीं आई है। राजस्व वृद्धि मध्य-किशोर प्रतिशत में बनी हुई है। कॉर्पोरेट आय में यह मजबूती व्यापक बाजार के स्थिर रहने का मुख्य कारण है। यह मार्च 2026 में देखी गई

Singer Badshah: 'मेरी चुप्पी का मतलब रैपर बादशाह की पत्नी ने की क्रिप्टिक पोस्ट

Badshah Wife Isha Rikhi Cryptic Social Media Post: सिंगर बादशाह ने मार्च महीने में ही ईशा रिखी से शादी की थी। अब उनकी पत्नी की एक क्रिप्टिक पोस्ट वायरल हो रही है। जिससे लगा रहा है कि इनके रिश्ते में दूरी आ गई। सिंगर और रैपर बादशाह की पत्नी ईशा रिखी की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है। अभी सिंगर की शादी को छह महीने भी नहीं हुए लेकिन इनके रिश्ते में खटास आ चुकी है। जानिए, अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में ईशा ने बादशाह संग अपने रिश्ते को लेकर क्या लिखा है?

ईशा रिखी ने रिश्ते को लेकर क्या कहा?

सोमवार शाम को इंस्टाग्राम पर ईशा रिखी ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कुछ लड़ाइयां ऐसी होती हैं जिनके कोई बाहरी निशान नहीं दिखते हैं। मैं लंबे समय तक चुप रही क्योंकि मुझे डर था। मुझे अपने पति के रुतबे, ताकत और संसाधनों से घबराहट होती थी। मैंने खुद को यकीन दिला लिया था कि चुप रहना ही सबसे सुरक्षित है। मेरी चुप्पी का मतलब यह नहीं था कि मैंने सब स्वीकार कर लिया था। वह तो बस हालात से निपटने का एक तरीका था। आज मैं डर के बजाय हिम्मत चुन रही हूं। हो सकता है कि मैं पूरी कहानी बताने के लिए अभी तैयार न हूं, लेकिन आखिरकार मैं यह दिखावा बंद करने के लिए तैयार हूं कि सब कुछ ठीक था।' बादशाह जहां म्यूजिक की दुनिया का बड़ा नाम हैं, वहीं उनकी पत्नी ईशा रिखी का सिक्का अभिनय की दुनिया में चलता है। वह मॉडल और एक्ट्रेस हैं।

'मैं अपने घर की डोर मैट थी' शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' में खोला राज

भाई और मां के साथ रिश्ते में आई खटास

Shilpa Shinde Reveals Her Secret on Show Lock Upp 2: शो 'लॉकअप 2' में आए दिन कोई ना कोई प्रतियोगी अपने जिंदगी के राज खोल रहा है। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने भी अपने परिवार को लेकर बड़ा खुलासा किया। आखिरी क्यों उनके रिश्ते अपने भाई और मां से बिगड़ चुके हैं। शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' हालिया एपिसोड में दूसरे प्रतियोगियों के सामने अपने बिगड़ चुके पारिवारिक रिश्तों का जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनकी कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उनके ही घर से निकाल दिया गया था। आखिर ऐसा क्यों हुआ था?

शल्पा शिंदे 'लॉकअप 2' में कहती हैं, 'हर्षद चोपड़ा आपको मैंने पहले चेताया था कि लोग आपका इस्तेमाल करते हैं। डोर मैट की तरह इस्तेमाल करते हैं। मैं भी अपने घर की डोर मैट थी। कुछ साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के पांच दिन बाद मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया था। आपको लगेगा कि क्या मेरे परिवार वाले इतने बुरे हैं। तो देखिए, मेरे लिए ऐसी सिचुएशन बना दी गई थी। उन्हें पता था कि मैं सेल्फ रेस्पेक्ट वाली लड़की हूं। इसलिए मैं अपना घर छोड़ दिया। दरअसल, मेरा भाई अपनी वाइफ के इंफ्लुएंस में आ गया था और मेरी मां भाई की बातों को मानती थीं।' शिल्पा आगे कहती हैं, 'मैंने अपने विल लिख दी है और मेरा परिवार से कोई नाता नहीं है।' कुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैंकुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैं

Mom 2: 'मॉम' का बन रहा सीक्वल ये एक्ट्रेस निभाएगी लीड रोल

Mom Sequel: 2017 में आई फिल्म 'मॉम' का सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म से जुड़ी काफी जानकारी सामने आई है। जानिए इसमें कौन निभाएगा लीड रोल और कब रिलीज होगी फिल्म? महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

इन फिल्मों में नजर आईं खुशी कपूर

खुशी कपूर ने 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था, लेकिन 'नादानियां' और 'लवयापा' जैसे प्रोजेक्ट्स को खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। ऐसे में 'मॉम 2' को उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के शुरुआती फुटेज देखने वाले एक सूत्र ने खुशी की एक्टिंग में काफी सुधार बताया है। उन्होंने कहा कि खुशी इस बार ज्यादा इमोशनल डेप्थ के साथ नजर आ रही हैं और कहीं-कहीं श्रीदेवी की झलक भी दिखती है। फिल्म में करिश्मा तन्ना और जिशु सेनगुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस थ्रिलर को गिरीश कोहली डायरेक्ट कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 'मॉम 2' पहली फिल्म की सीधी कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि एक नई कहानी के साथ आएगी। फिल्म में सस्पेंस, ड्रामा और मजबूत महिला किरदारों के जरिए न्याय की कहानी दिखाई जाएगी।

Indian Idol 16 Winner

ज्योतिर्मयी नायक बनीं 'इंडियन आइडल 16' की विनर तनिष्क और मनराज रहे रनर-अप

Indian Idol 16 Winner: कई महीनों तक शानदार परफॉर्मेंस और इमोशनल पलों के बाद 'इंडियन आइडल 16' के विजेता की घोषणा रविवार को हुई। इस खबर में जानिए ग्रैंड फिनाले से जुड़ी पूरी जानकारी। ज्योतिर्मयी नायक ने रविवार को इंडियन आइडल 16 का खिताब अपने नाम कर लिया है। ग्रैंड फिनाले में जीत की ट्रॉफी के साथ उन्हें सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की तरफ से 20 लाख का कैश प्राइज मिला। सिंगिंग रियलिटी शो के इस 16वें सीजन के टॉप 3 फाइनलिस्ट मनराज वीर सिंह, ज्योतिर्मयी नायक और तनिष्क शुक्ला रहे और अंत में ज्योतिर्मयी नायक ने बाजी मारी। तनिष्क पहले रनरअप रहे और मनराज दूसरे रनरअप बने। इंडियन आइडल 16 के फाइनल में जज के तौर पर बादशाह, कुमार सानू और श्रेया घोषाल मौजूद रहे, जबकि विशाल ददलानी वीडियो कॉल के जरिए सभी से जुड़े। इसके अलावा अभिनेत्री शहनाज गिल कार्यक्रम में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचीं। तनिष्क शुक्ला और मनराज वीर सिंह इस सीजन के रनर-अप रहे। दोनों को 5-5 लाख का कैश प्राइज मिला है। फिनाले की रेस में स्पॉटलाइट राउंड के बाद मैस्मे बोसु बाहर हो गए थे।

Box Office: 100 करोड़ क्लब से कुछ ही दूर 'द ओडिसी' शुक्रवार को 'धमाल 4' ने भी पकड़ी रफ्तार

The Odyssey Box Office Collection: जहां एक तरफ बॉक्स ऑफिस पर नई रिलीज हुई फिल्म 'जन नायकन' का जलवा है। वहीं सिनेमाघरों में पहले से चल रही फिल्में 'द ओडिसी' और 'धमाल 4' ने आज शुक्रवार को अच्छा कलेक्शन किया है। सिनेमाघरों में 23 जुलाई को 'जन नायकन' रिलीज हुई है। इस फिल्म के रिलीज होने से बॉक्स ऑफिस पर बाकी फिल्मों के कलेक्शन पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। हॉलीवुड फिल्म 'द ओडिसी' का कलेक्शन मामूली तौर से बढ़ा है। वहीं 'धमाल 4' का 15वें दिन कलेक्शन बढ़ा है। आइए जानते हैं दोनों फिल्मों ने शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है? सैकनिल्क से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक फिल्म 'द ओडिसी' ने आठवें दिन खबर लिखे जाने तक 6.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसका कुल कलेक्शन 97.15 करोड़ रुपये हो गया है। शुरुआत में फिल्म ने अच्छी कमाई की थी। वीकएंड के बाद इसका कलेक्शन घटा है। इसके बावजूद फिल्म ठीक ठाक कलेक्शन कर रही है। 'धमाल 4' ने आज तीसरे शुक्रवार को 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। देर रात इन आंकड़ों में इजाफा हो सकता है। फिल्म का कुल कलेक्शन 139.15 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म का बजट 150 से 200 करोड़ रुपये है। इस लिहाज से इसने ठीक-ठाक कलेक्शन कर लिया है। पहले हफ्ते में 'धमाल 4' ने 96 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे हफ्ते में इसने 40.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। तीसरे शुक्रवार को इसने 2.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है

क्या 'रामायण' के बाद 'धूम 4' में दिखेंगे रणबीर कपूर? एक्टर ने 'लव एंड वॉर' पर भी किया बड़ा खुलासा कही ये बात

Ranbir Kapoor Upcoming Movies: बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने हाल ही में अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'धूम 4' को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। फिल्म 'रामायण' की टीम हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक कॉन में अपनी फिल्म को प्रमोट करने पहुंची थी। इस दौरान डायरेक्टर नितेश तिवारी, प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और एक्टर्स रणबीर कपूर और यश मौजूद थे। इवेंट के दौरान रणबीर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी बात की और साफ किया कि वह 'धूम 4' का हिस्सा नहीं हैं। 'धूम 4' पर क्या बोले रणबीर?

रिव्यू नेशन यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान होस्ट ने कहा कि यश 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के साथ-साथ रामायण में नजर आएंगे और रणबीर 'धूम 4' में दिखेंगे। इस पर रणबीर ने तुरंत इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, अभी मैं रामायण और एक दूसरी फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहा हूं, जिसे संजय भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज हो सकती है।' फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है। कुछ रिपोर्ट्स में 24 जनवरी बताया गया है, जबकि आधिकारिक तौर पर 21 जनवरी की तारीख भी सामने आ चुकी है।

खास बात यह रही कि रणबीर ने अपनी फिल्मों की लिस्ट बताते वक्त 'एनिमल पार्क' का जिक्र नहीं किया, जो उनकी 2023 की हिट फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल माना जा रहा है। रणबीर कपूर के 'धूम' फ्रेंचाइज से जुड़ने की खबरें काफी समय से चल रही हैं। साल 2024 में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि आदित्य चोपड़ा उन्हें इस फिल्म के लिए परफेक्ट मानते हैं और लंबे समय तक बातचीत भी हुई थी। इसके बाद जब रणबीर का नया लुक सामने आया, तो लोगों ने अंदाजा लगाया कि वह 'धूम 4' या 'एनिमल पार्क' के लिए हो सकता है। 2025 में यह भी खबर आई थी कि विक्की कौशल को भी फिल्म में लिया जा सकता है। हालांकि, अब तक यश राज फिल्म्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

Aaj Ka Rashifal 19 July

Aaj Ka Rashifal 28 July: इन चार राशि वालों की आज चमकेगी किस्मत, करियर-व्यापार में मिलेगा बड़ा लाभ

Rashifal 28 July 2026: जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, मकर और कुंभ राशि वालों के लिए करियर, कारोबार, धन, स्वास्थ्य, प्रेम और पारिवारिक जीवन से जुड़ी ज्योतिषीय भविष्यवाणियां

Rashifal 28 July: आज का राशिफल सभी राशियों के लिए अलग-अलग संदेश लेकर आया है। इस राशिफल के अनुसार, कुछ जातकों को बड़ा लाभ मिल सकता है और कुछ की परेशानियां भी बढ़ने के योग हैं। ऐसे में आइए 28 जुलाई का दैनिक राशिफल विस्तार से जानते हैं।।

मेष

आज का दिन आपके लिए थोड़ी सावधानी और धैर्य मांगने वाला रहेगा। बिजनेस में नुकसान होने की संभावना है, इसलिए किसी पुरानी गलती से सीख लेकर ही आगे बढ़ें। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। कानूनी मामलों में आंख और कान खुला रखें। जीवन साथी के साथ चल रही अनबन को बातचीत से सुलझाने का समय है, तभी घर का माहौल शांत रहेगा।

वृषभ

आज आय और व्यय में संतुलन बनाना जरूरी रहेगा। किसी सहयोगी की बात आपको चुभ सकती है, लेकिन उसे दिल पर न लें। विद्यार्थी पढ़ाई में पूरी लगन से जुटेंगे। भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा और शायद किसी वेकेशन की प्लानिंग भी हो। मन की कोई इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और पिताजी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है।

मिथुन

आज पैत्रिक संपत्ति मिलने की संभावना है। बिजनेस में अगर समस्याएं थीं तो भाइयों से बात कर समाधान निकाल सकते हैं। किसी से लिया गया धन अब लौटाने का समय है। आस-पड़ोस में किसी वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहना बेहतर रहेगा। जीवन साथी हर कदम पर आपका साथ देंगे और प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई सौदा अच्छा रहेगा।

कर्क

आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। गलत तरीके से धन कमाने से बचें और पिताजी द्वारा दी गई जिम्मेदारी में लापरवाही न करें। परिवार के साथ किसी मांगलिक उत्सव में शामिल होना शुभ रहेगा। संतान से किए गए वादे पूरे करें। पुराने मित्रों से मिलने का मौका मिल सकता है और साथी के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा।

कन्या

आज दिन मिलाजुला रहेगा। जीवन साथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और उनके कार्य क्षेत्र में प्रमोशन के संकेत हैं। पार्टनरशिप में कोई काम करने के मौके मिलेंगे। संतान के लिए कुछ नया और अच्छा करने की योजना बन सकती है। दोस्तों के साथ पार्टी या मिलन समारोह की योजना भी बन सकती है। पिताजी की कोई बात आज आपको थोड़ी खल सकती है।

सिंह

आज का दिन मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। लंबे समय से रुका काम पूरा हो सकता है। संतान पढ़ाई में भटकेगी, जिससे थोड़ी परेशानी होगी। घर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन संभव है। बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें और छोटी समस्याओं को हल्के में न लें।

तुला

आज वाहन चलाते समय सतर्कता बरतें, अचानक खराबी से खर्च बढ़ सकता है। लिए गए निर्णय पर पछतावा हो सकता है। संतान पढ़ाई के लिए बाहर जा सकती है। काम में सफलता जरूर मिलेगी, लेकिन राजनीति में जुड़े लोगों को कुछ शत्रु मिलने से रोड़ा पड़ सकता है। सोच-समझकर कदम उठाना आज की आवश्यकता है।

वृश्चिक

आज का दिन सामान्य रहेगा। मेहनत रंग लाएगी, लेकिन आलस्य के कारण काम टालने से परेशानी बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य की बात से मन परेशान हो सकता है। जीवनसाथी की फरमाइश पर नया वाहन लाने का मौका मिल सकता है। जरूरी जानकारी किसी से साझा करते समय सावधानी बरतें।

धनु

आज दिन मौज-मस्ती और खुशी लेकर आएगा। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। धन-धान्य में वृद्धि होगी और रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। मित्रों से बिजनेस पर बातचीत होगी। योजनाओं पर किया गया खर्च भविष्य में लाभ देगा, इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें।

मकर

आज स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रह सकते हैं। उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन काम और सेहत दोनों पर ध्यान देना जरूरी है। छोटी-सी समस्या को हल्के में न लें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। सामाजिक आयोजनों में जुड़कर नाम कमाने का मौका मिलेगा। माताजी के साथ खटपट हो सकती है, लेकिन जीवनसाथी के साथ घूमने का अवसर भी मिलेगा।

कुंभ

आज का दिन बाकी दिनों से बेहतर रहेगा। कई काम एक साथ हाथ लगेंगे और इनसे धन कमाने के मौके भी मिलेंगे। इन्कम बढ़ाने के सोतों पर ध्यान देना जरूरी है। मन की कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी मिलेगी। पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा और पुरानी गलती से सबक भी सीखेंगे। घर में नए मेहमान का आगमन संभव है।

मीन

आज मन कई कामों में बंटा रहेगा, जिससे काम लटक सकते हैं और घर में समस्याएं उठ सकती हैं। अपने आसपास के लोगों को पहचान कर ही आगे बढ़ें। घूमने-फिरने के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। राजनीति में कदम सोच-समझ कर उठाएं। किसी से लिया गया धन आसानी से वापस मिल सकता है।

Aaj Ka Love Rashifal

इन 4 राशि वालों के प्रेम जीवन में आएगा बदलाव रिश्तों में दिखेगा नयापन

Love Rashifal: आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए कैसा रहेगा ? आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का 28 जुलाई 2026 का लव राशिफल।

Love Rashifal: आज का दिन कुछ राशि वालों के प्रेम जीवन में बदलाव लेकर आ सकता है। रिश्तों में नयापन, विश्वास और प्रेम देखने को मिलेगा। लेकिन कुछ जातकों को थोड़ा तनाव झेलना पड़ सकता है। आइए मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का लव राशिफल जानते हैं।

Ank Jyotish 28 July

मूलांक 1 और 5 वालों के लिए शुभ रहेगा दिन आगे बढ़ने के मिलेंगे नए अवसर

Numerology Prediction 28 July 2026: आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा ? जानें मूलांक 1 से 9 तक के लोगों का दैनिक भविष्यफल।

अंक 1

आज का दिन आपके लिए खास हो सकता है। रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए खुलकर बातचीत करें। दिन के अंत में खुद के लिए थोड़ा समय निकालें, इससे मानसिक शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी की सराहना हो सकती है।

अंक 2

आज काम और धन से जुड़े मामलों में सावधानी रखना जरूरी है। लेकिन मूलांक 2 वालों के लिए नई सीख और ज्ञान प्राप्त होने के योग हैं। किसी भी फैसले में जल्दबाजी न करें, सोच-समझकर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा।

अंक 3

दिन आपके लिए कई परेशानियां लेकर आ सकता है। प्रेम जीवन में थोड़ी उतार-चढ़ाव की स्थिति रह सकती है, इसलिए धैर्य रखें।

Shani Vakri 2026

शनि की उल्टी चाल 5 राशियों पर पड़ेगी भारी 11 दिसंबर तक रहें सावधान और करें ये उपाय

Shani Vakri 2026: 27 जुलाई 2026 से शनि ने वक्री गति शुरू कर दी है, जो 11 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। आइए जानते हैं किन राशियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और इससे बचने के उपाय क्या हैं।

Shani Vakri 2026 Effects: ज्योतिष शास्त्र में शनि ग्रह को सबसे प्रभावशाली और परिणाम देने वाला ग्रह माना जाता है। यही वजह है कि जब भी शनि अपनी चाल बदलते हैं, तो लोगों के मन में इसके प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ जाती है। 27 जुलाई 2026 से शनि ने वक्री गति (उल्टी चाल) शुरू कर दी है, जो 11 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। लगभग 138 दिनों तक चलने वाली यह अवधि कुछ राशियों के लिए लाभकारी हो सकती है, लेकिन कुछ राशियों को इस दौरान सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं किन राशियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और इससे बचने के उपाय क्या हैं।

सिंह राशि

सिंह राशि के लिए शनि की वक्री चाल स्वास्थ्य के लिहाज से चुनौतीपूर्ण रह सकती है।
शनि इस समय आपकी कुंडली के आठवें भाव में स्थित हैं, जो आयु और रहस्यों से जुड़ा होता है।
ऐसे में इस दौरान स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।
अनियमित खानपान से बचना जरूरी होगा और नियमित जांच कराते रहना लाभदायक रहेगा।
मानसिक रूप से भी बेचैनी या डर का अनुभव हो सकता है।
इसलिए मन को शांत रखने के उपाय अपनाना आवश्यक होगा।

CJP का दावा: प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस होंगे वापस बिहार असम के बाद राजस्थान में क्या है केंद्र की गारंटी?

नीट-यूजी आंदोलन के बाद प्रदर्शनकारियों को राहत मिलने का दावा किया गया है। CJP के मुताबिक सरकार ने बिहार, असम और राजस्थान में कार्रवाई नहीं करने, एफआईआर वापस लेने और गिरफ्तार लोगों की रिहाई का आश्वासन दिया है। प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने बड़ा दावा किया है। संगठन के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि सरकार ने एक बार फिर आश्वासन दिया है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिहार और असम के बाद राजस्थान में भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने की गारंटी दी गई है।

क्या बिहार, असम और राजस्थान में कार्रवाई नहीं होगी?

सौरव दास ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार और असम की अधिसूचनाओं के बाद उन्हें यह भरोसा भी दिया गया है कि राजस्थान में भी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आगे की कार्रवाई से रोकने का आश्वासन मिला है।

क्या दिल्ली पुलिस से हुई देर रात बैठक में मिला भरोसा?

मंगलवार तड़के करीब दो बजे सौरव दास ने CJP की कानूनी समन्वयक रत्ना सिंह के साथ एक वीडियो साझा किया। उन्होंने बताया कि उनकी दिल्ली पुलिस के प्रतिनिधियों से बैठक हुई, जो बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे थे। दास ने कहा कि उन्होंने सरकार से किए गए वादों के पूरा न होने की आशंका जताई, जिसके बाद उन्हें दोबारा भरोसा दिलाया गया।

क्या बिहार सरकार की अधिसूचना भी सौंपी गई?

सौरव दास के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने उन्हें बिहार सरकार की वह अधिसूचना भी उपलब्ध कराई, जिसमें 26 जुलाई से पहले प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से भी इसी तरह की अधिसूचनाएं जारी होने की उम्मीद जताई गई है।

क्या CJP ने प्रदर्शनकारियों से धैर्य रखने की अपील की?

सीजेपी ने पुलिस कार्रवाई का सामना कर रहे प्रदर्शनकारियों से संयम बनाए रखने की अपील की। सौरव दास ने कहा कि संगठन उनके साथ है और जरूरत पड़ने पर उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

> करीब दो से तीन घंटे चली बैठक में बिहार और असम की अधिसूचनाएं सौंपी गईं। इनमें प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने और गिरफ्तार लोगों की रिहाई का आश्वासन दिया गया। कोई भी प्रदर्शनकारी अकेला नहीं होगा, हम सभी एकजुट हैं।
>
> सौरव दास, सीजेपी प्रवक्ता

क्या कानूनी सहायता के लिए नई वेबसाइट शुरू होगी?

सौरव दास ने बताया कि CJP एक ऐसी वेबसाइट शुरू करने जा रही है, जहां विभिन्न जिलों के वकील अपना नाम, स्थान और उपलब्ध कानूनी सहायता का विवरण दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इस पहल के लिए एक करोड़ रुपये की कानूनी सहायता की घोषणा की है और देशभर के वकीलों से इसमें सहयोग करने की अपील की है।**क्या दोबारा आंदोलन की चेतावनी दी गई?**

सीजेपी ने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गईं, गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया और भविष्य में नए मामले दर्ज किए गए, तो संगठन फिर से आंदोलन करने को मजबूर होगा। इससे पहले संगठन के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी इसी तरह की चेतावनी दे चुके हैं। गौरतलब है कि अभिजीत दिपके और सीजेपी के अन्य सदस्यों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा कुछ मांगें मानने के बाद 37 दिन से चल रहे आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा की थी। यह आंदोलन NEET-UG पेपर लीक और परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं को लेकर चलाया गया था।

Asian Games: क्वार्टर फाइनल से अभियान की शुरुआत करेंगे भारत-पाकिस्तान जानें एशियाड में क्रिकेट का कार्यक्रम

भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। पुरुष टीम को पाकिस्तान की तरह सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिया गया है। मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष तथा महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा। **सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान**

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच एक अक्तूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रुप बी में हांगकांग, चीन, मलयेशिया और ओमान शामिल होंगे। दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारूप में खेली जाएंगी।

श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था। श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल*

IND vs ENG: कोहली-अय्यर के अर्धशतक पड़े फीके

रूट ने इंग्लैंड को दिलाई शानदार जीत सीरीज 1-1 की बराबरी पर

जो रूट की नाबाद 99 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। भारत की ओर से विराट कोहली (65) और श्रेयस अय्यर (66) ने अर्धशतक लगाए, लेकिन रोहित शर्मा की खराब फॉर्म और मध्यक्रम के बिखरने से टीम सिर्फ 233 रन ही बना सकी। जो रूट की शानदार नाबाद 99 रन की पारी के दम पर इंग्लैंड ने गुरुवार को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। अब सीरीज का फैसला रविवार को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम मुकाबले में होगा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को जल्दी आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथल को चलता किया। हैरी ब्रूक भी सिर्फ 16 रन बनाकर गुरनूर बराड़ का शिकार बने। एक समय इंग्लैंड का स्कोर 125/5 था, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने संयम के साथ पारी को संभाला। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ छठे विकेट के लिए 72 रन की अहम साझेदारी की और टीम को जीत तक पहुंचाया। रूट ने 133 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए। वह शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए, लेकिन गस एटकिंसन ने विजयी चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

ICC Player of the Month: आईसीसी ने किया जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का एलान किन प्लेयर्स ने जीते अवॉर्ड?

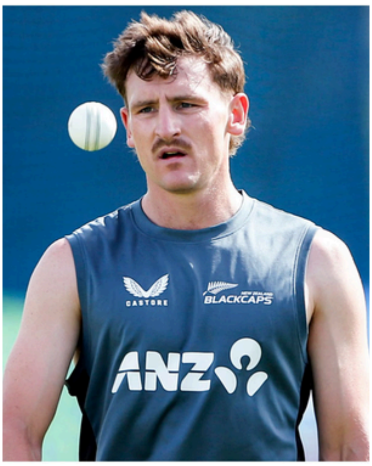

आईसीसी ने जून 2026 के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स का एलान करते हुए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज को सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों ने क्रमशः इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और महिला टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जून 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।

नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड में रचा इतिहास

27 वर्षीय नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में न्यूजीलैंड की सफलता में अहम भूमिका निभाई। टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद स्मिथ ने नई गेंद से जिम्मेदारी संभाली और पूरी सीरीज में 23 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा।

लॉर्ड्स टेस्ट में किया यादगार प्रदर्शन

स्मिथ का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पहले टेस्ट में लॉर्ड्स पर देखने को मिला, जहां उन्होंने दूसरी पारी में 6/70 विकेट लेकर मैच में कुल नौ विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक विकेट लेने के अलावा 38 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं निर्णायक तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 4/91 और दूसरी पारी में दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक सीरीज जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। अवार्ड मिलने पर स्मिथ ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उनकी प्राथमिकता हमेशा टीम की जीत में योगदान देना रही है।

महिला वर्ग में इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी के दम पर यह पुरस्कार अपने नाम किया। नवंबर 2024 के बाद यह दूसरा मौका है जब उन्हें आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है उन्होंने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी को पछाड़कर यह सम्मान हासिल किया।।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300